

ॐ

गुणानां त्वा गुणपतिः हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आनशृण्वन्नृतिभिस्सीदसादनम् ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुस्साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

सङ्गीत पुस्तकम्

गुरु : श्री श्रीधर नरसिहम्

अनुक्रमणिका

सरल वरसे	1
दीर्घ वरसे	3
दाट्ट वरसे	5
मन्दर स्थायि वरसे	7
तार स्थायि वरसे	9
झण्टि वरसे	11
स्वर राग ताल शास्त्र	15
अलङ्काराः	16
पिळ्ळारि गीतानि	20
श्री गणनाथ	20
कुन्द गौर	21
केरेय नीरनु	22
पदुमनाभ	23
सञ्चारि गीतानि	23
वरवीणा	24

सरल वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि द प । स* नि । द प ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि स रि । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि स* नि । स* नि । द प ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प म । ग रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द प । म प । द नि ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

५.

॥ स रि ग म । प म । द प ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द प । म प । ग म ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

६.

॥ स रि ग स । रि ग । स रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द सँ । नि द । सँ नि ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

दीर्घ वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प , । प , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । म , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प , । स , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प , । स रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* नि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प , । द नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं* ॥

॥ सं* नि द प । म , । ग रि ॥

॥ सं* नि द प । म ग । रि स ॥

दादु वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स ग रि म । ग प । म द ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं* ॥

॥ सं* द नि प । द म । प ग ॥

॥ सं* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स म रि प । ग द । म नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं*

॥ सं* प नि म । द ग । प रि ॥

॥ सं* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स प रि द । ग नि । म स ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं*

॥ सं* म नि ग । द रि । प स ॥

॥ सं* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स ग प नि । रि म । द स* ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* द म रि । नि प । ग स ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

मन्दर स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स^{*} नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि^{*} स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स^{*} ॥

२.

॥ स^{*} नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि^{*} द^{*} नि^{*} । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स र । स नि^{*} ॥
॥ स नि^{*} स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स^{*} ॥

३.

॥ स^{*} नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि^{*} द^{*} प^{*} । द^{*} नि^{*} । स रि ॥

॥ ग म प म । ग रि । स नि* ॥
॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स र । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

तार स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥
॥ द नि सँ रिँ । सँ नि । द प ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥
॥ द नि सँ रिँ । सँ सँ । रिँ सँ ॥
॥ सँ रिँ सँ नि । द प । म प ॥
॥ द नि सँ रिँ । सँ नि । द प ॥
॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥

॥ द नि सँ रिं । गं रिं । सँ रिं ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ सँ । रिं सँ ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ नि । द प ॥
 ॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
 ॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥
 ॥ द नि सँ रिं । गं मं । गं रिं ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । गं रिं । सँ रिं ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ सँ । रिं सँ ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ नि । द प ॥
 ॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

झण्टि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स स रि रि ग ग म म । प प द द । नि नि सं सं ॥

॥ सं सं नि नि द द प प । म म ग ग । रि रि स स ॥

२.

॥ स स रि रि ग ग म म । रि रि ग ग । म म प प ॥

॥ ग ग म म प प द द । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि नि सं सं । सं सं नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि द द प प म म । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग रि रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

३.

॥ स स रि रि ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥

॥ रि रि ग ग म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥

॥ ग ग म म प प म म । ग ग म म । प प द द ॥

॥ म म प प द द प प । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि नि द द । प प द द । नि नि सं सं ॥

॥ सं सं नि नि द द नि नि । सं सं नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि द द प प द द । नि नि द द । प प म म ॥

॥ द द प प म म प प । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥
॥ म म ग ग रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

४.

॥ स स म म ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
॥ रि रि प प म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
॥ ग ग द द प प म म । ग ग म म । प प द द ॥
॥ म म नि नि द द प प । म म प प । द द नि नि ॥
॥ प प सँ सँ नि नि द द । प प द द । नि नि सँ सँ ॥
॥ सँ सँ प प द द नि नि । सँ सँ नि नि । द द प प ॥
॥ नि नि म म प प द द । नि नि द द । प प म म ॥
॥ द द ग ग म म प प । द द प प । म म ग ग ॥
॥ प प रि रि ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥
॥ म म स स रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

५.

॥ स स ग ग रि रि म म । स स रि रि । ग ग म म ॥
॥ रि रि म म ग ग प प । रि रि ग ग । म म प प ॥
॥ ग ग प प म म द द । ग ग म म । प प द द ॥
॥ म म द द प प नि नि । म म प प । द द नि नि ॥
॥ प प नि नि द द सँ सँ । प प द द । नि नि सँ सँ ॥

॥ सं^{*}सं^{*} द द नि नि प प । सं^{*}सं^{*} नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि प प द द म म । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द म म प प ग ग । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प ग ग म म रि रि । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म रि रि ग ग स स । म म ग ग । रि रि स स ॥

६.

॥ स स रि स स रि स रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि ग रि रि ग रि ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग म ग ग म ग म । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म प म म प म प । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प द प प द प द । प प द द । नि नि सं^{*}सं^{*} ॥
 ॥ सं^{*}सं^{*} नि सं^{*} सं^{*}नि सं^{*}नि । सं^{*}सं^{*} नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि द नि नि द नि द । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द प द द प द प । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प म प प म प म । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग म म ग म ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स रि रि ग स रि ग । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि ग ग म रि ग म । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग म म प ग म प । ग ग म म । प प द द ॥

॥ म म प प द म प द । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प द द नि प द नि । प प द द । नि नि सं सं ॥
 ॥ सं सं नि नि द सं नि द । सं सं नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि द द प नि द प । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द प प म द प म । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प म म ग प म ग । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग ग रि म ग रि । म म ग ग । रि रि सं सं ॥

७.

॥ सं सं सं रि रि रि ग म । सं सं रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि रि ग ग ग म प । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग ग म म म प द । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म म प प प द नि । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प प द द द नि सं । प प द द । नि नि सं सं ॥
 ॥ सं सं सं नि नि नि द प । सं सं नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि नि द द द प म । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द द प प प म ग । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प प म म म ग रि । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म म ग ग ग रि सं । म म ग ग । रि रि सं सं ॥

स्वर-राग-ताल शास्त्र

स्वराः

- षड्ज - प्रकृति
- रिषभ - शुद्ध (रि₁) चतुःश्रुति (रि₂) षड्श्रुति (रि₃)
- गान्धार - शुद्ध (ग₁) साधारण (ग₂) अन्तर (ग₃)
- मध्यम - शुद्ध (म₁) प्रति (म₂)
- पञ्चम - प्रकृति
- धैवत - शुद्ध (द₁) चतुःश्रुति (द₂) षड्श्रुति (द₃)
- निषाद - शुद्ध (नि₁) कैशिकी (नि₂) काकली (नि₃)

अलङ्काराः (रागम् : मायामालवगौळ)

१. चतुरश्र जाति ध्रुव ताल (१ ० । ।)

॥ स रि ग म । ग रि । स रि ग रि । स रि ग म ॥
॥ रि ग म प । म ग । रि ग म ग । रि ग म प ॥
॥ ग म प द । प म । ग म प म । ग म प द ॥
॥ म प द नि । द प । म प द प । म प द नि ॥
॥ प द नि स* । नि द । प द नि द । प द नि स* ॥
॥ स* नि द प । द नि । स* नि द नि । स* नि द प ॥
॥ नि द प म । प द । नि द प द । नि द प म ॥
॥ द प म ग । म प । द प म प । द प म ग ॥
॥ प म ग रि । ग म । प म ग म । प म ग रि ॥
॥ म ग रि स । रि ग । म ग रि ग । म ग रि स ॥

२. चतुरश्र जाति मध्य ताल (१ ० ।)

॥ स रि ग रि । स रि । स रि ग म ॥
॥ रि ग म ग । रि ग । रि ग म प ॥
॥ ग म प म । ग म । ग म प द ॥
॥ म प द प । म प । म प द नि ॥
॥ प द नि द । प द । प द नि स* ॥
॥ स* नि द नि । स* नि । स* नि द प ॥
॥ नि द प द । नि द । नि द प म ॥

॥ द प म प । द प । द प म ग ॥
 ॥ प म ग म । प म । प म ग रि ॥
 ॥ म ग रि ग । म ग । म ग रि स ॥

३. चतुरश्र जाति रूपक ताल (० ।)

॥ स रि । स रि ग म ॥
 ॥ रि ग । रि ग म प ॥
 ॥ ग म । ग म प द ॥
 ॥ म प । म प द नि ॥
 ॥ प द । प द नि स* ॥
 ॥ स* नि । स* नि द प ॥
 ॥ नि द । नि द प म ॥
 ॥ द प । द प म ग ॥
 ॥ प म । प म ग रि ॥
 ॥ म ग । म ग रि स ॥

४. मिश्र जाति झम्प ताल (। उ ०)

॥ स रि ग स रि स रि । ग । म , ॥
 ॥ रि ग म रि ग रि ग । म । प , ॥
 ॥ ग म प ग म ग म । प । द , ॥
 ॥ म प द म प म प । द । नि , ॥

॥ प द नि प द प द । नि । सँ* , ॥
 ॥ सँ* नि द सँ* नि सँ* नि । द । प , ॥
 ॥ नि द प नि द नि द । प । म , ॥
 ॥ द प म द प द प । म । ग , ॥
 ॥ प म ग प म प म । ग । रि , ॥
 ॥ म ग रि म ग म ग । रि । स , ॥

५. तिश्च जाति त्रिपुट ताल (१ ० ०)

॥ स रि ग । स रि । ग म ॥
 ॥ रि ग म । रि ग । म प ॥
 ॥ ग म प । ग म । प द ॥
 ॥ म प द । म प । द नि ॥
 ॥ प द नि । प द । नि सँ* ॥
 ॥ सँ* नि द । सँ* नि । द प ॥
 ॥ नि द प । नि द । प म ॥
 ॥ द प म । द प । म ग ॥
 ॥ प म ग । प म । ग रि ॥
 ॥ म ग रि । म ग । रि स ॥

६. खण्ड जाति अट्ट ताल (१ १ ० ०)

॥ स रि , ग , । स , रि ग , । म , । म , ॥

॥ रि ग , म , । रि , ग म , । प , । प , ॥
 ॥ ग म , प , । ग , म प , । द , । द , ॥
 ॥ म प , द , । म , प द , । नि , । नि , ॥
 ॥ प द , नि , । प , द नि , । सँ , । सँ , ॥
 ॥ सँ नि , द , । सँ , नि द , । प , । प , ॥
 ॥ नि द , प , । नि , द प , । म , । म , ॥
 ॥ द प , म , । द , प म , । ग , । ग , ॥
 ॥ प म , ग , । प , म ग , । रि , । रि , ॥
 ॥ म ग , रि , । म , ग रि , । स , । स , ॥

५. चतुरश्र जाति एक ताल (।)

॥ स रि ग म ॥ रि ग म प ॥
 ॥ ग म प द ॥ म प द नि ॥
 ॥ प द नि सँ ॥ सँ नि द प ॥
 ॥ नि द प म ॥ द प म ग ॥
 ॥ प म ग रि ॥ म ग रि स ॥

पिळ्ळारि गीतानि

१. श्री गणनाथ

रागम् : मलहरी

तालम् : रूपक

आरोहणम् : स रि₁ म₁ प द₁ स*

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स* द₁ प म₁ ग₃ रि₁ स

॥	म	प	द	स*	स*	रि*	॥	रि*	स*	द	प	म	प	॥
	श्री		ग	ण	ना	थ		सिन्	धू		र	व	र्ण	
	सिद्	ध	चा		र	ण		ग	ण	से		वि	त	
	स	क	ल	वि	द्या			आ	दि	पू		जि	त	
॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	क	रु	ण	सा	ग	रा		क	रि	व	द	ना		
	सिद्	धि	वि	ना	य	का		ते		न	मो	न	मो	
	सर्		वो		त्त	म		ते		न	मो	न	मो	
॥	स	रि	म	,	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
	लम्		बो		द	र		ल	कु	मि	क	र		
॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	अम्		बा		सु	त		अ	म	र	वि	नु	त	

२. कुन्द गौर

रागम् : मलहरी

तालम् : रूपक

आरोहणम् : स रि₁ म₁ प द₁ स^{*}

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स^{*} द₁ प म₁ ग₃ रि₁ स

॥	द	प	म	ग	रि	स	॥	रि	म	प	द	म	प	॥
	कुन्	द	गौ			र		गौ		रि		व	र	
	चन्	द	मा			म		मन्		दा		कि	नि	
	हि	म	कू			ट		सिम्		हा		स	न	
॥	द	रि [*]	रि [*]	सं [*]	द	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	मन्	दि	रा			य		मा		न	म	कु	ट	
	मन्	दि	रा			य		मा		न	म	कु	ट	
	वि	रु	पा			क्ष		क	रु	णा		क	र	
॥	स	,	रि	,	रि	,	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	मन्		धा		रा			कु	सु	मा		क	र	
॥	स	रि	प	म	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
	म	क	रन्		दं			व		सि	तु	रे		

३. केरेय नीरनु

रागम् : मलहरी

आरोहणम् : स रि₁ म₁ प द₁ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द₁ प म₁ ग₃ रि₁ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	द	स [*]	स [*]		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	म		प	,	॥
॥	के	रे	य		नी			र	नु	॥	के	रे	गे		चेल्			लि		॥
॥	श्री		पु		रन्			द	र	॥	वि	ठु	ल		रा			य	न	॥
॥	द	द	स [*]		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	व	र	व		प	डे		द	व	॥	रन्		ते		का			णि	रो	॥
॥	च	र	ण		क	म		ल	व	॥	नम्		बि		ब	दु		कि	रो	॥
॥	स	रि	रि		स	रि		स	रि	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	ह	रि	य		क	रु		ण	दो	॥	ला		द		भ			ग्य	व	॥
॥	द	प	द		स [*]			द	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	ह	रि	स		मर्			प	णे	॥	मा		डि		ब	दु		कि	रो	॥

४. पदुमनाभ

रागम् : मलहरी

आरोहणम् : स रि₁ म₁ प द₁ स*

अवरोहणम् : स* द₁ प म₁ ग₃ रि₁ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ रि स द* । स , । स , ॥ म ग रि । म म । प , ॥	
॥ प दु म । ना । भ ॥ प र म । पु रु । ष ॥	
॥ वि दु र । वन् । घ ॥ वि म ल । च रि । त ॥	
॥ स द , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ प रञ् । ज्यो । ति ॥ स्व रु । प । ॥	
॥ वि हङ् । गा । व ॥ रो ह । ण । ॥	
॥ प म प । द स* । द स* ॥ रि स* द । द स* । द प ॥	
॥ उ द धि । नि वा । स ॥ उ र ग । श य । न ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि म म । प , । प , ॥	
॥ उ न्न । तो । न्न त ॥ म हि । मा । ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि रि म । म ग । रि स ॥	
॥ य दु कु । लो । त्त म ॥ य ज्ञ । र । क्ष क ॥	
॥ स , स । द द । द प ॥ प , प । म ग । रि स ॥	
॥ आ ज्ञ । शि । क्ष क ॥ रा म । ना । म ॥	
॥ द स* , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ वि भी । ष ण । प ॥ ल क । न मो । न मो ॥	
॥ द स* , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ वि भो । व र । दा ॥ य क । न मो । न मो ॥	
॥ प म प । द स* । द स* ॥ रि स* द । द स* । द प ॥	
॥ शु भ । प्र द । सु म ॥ नो र । द । सु ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि म म । प , । प , ॥	
॥ रे न्द्र । म । नो ॥ रञ् ज । न । ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि रि म । म ग । रि स ॥	
॥ अ भि । न । व पु ॥ रन् द । र । ॥	
॥ स , स । द द । द प ॥ प , प । म ग । रि स ॥	
॥ वि ठु ल । भल् । ल रे ॥ रा म । ना । म ॥	

सञ्चारि गीतानि

१. वरवीणा

रागम् : मोहनम्

आरोहणम् : स रि₂ ग₃ प द₂ स*

अवरोहणम् : स* द₂ प ग₃ रि₂ स

तालम् : रूपकम्

रचयिता : श्री अप्पैय दीक्षितर्

॥	ग	ग	प	,	प	,	॥	द	प	स*	,	स*	,	॥
	व	र	वी		णा			मृ	दु	पा		णी		
॥	रि*	स*	द	द	प	,	॥	द	प	ग	ग	रि	,	॥
	व	न	रु	ह	लो			च	न	रा		णी		
॥	ग	प	द	स*	द	,	॥	द	प	ग	ग	रि	,	॥
	सु	रु	चि	र	बम्			ब	र	वे		णी		
॥	ग	ग	द	प	ग	रि	॥	प	ग	ग	रि	स	,	॥
	सु	र	नु	त	कल्			या				णी		
॥	ग	ग	ग	ग	रि	ग	॥	प	ग	प	,	प	,	॥
	नि	रु	प	म	शु	भ		गु	ण	लो		ला		
॥	ग	ग	द	प	द	,	॥	द	प	स*	,	स*	,	॥
	नि	र	त	ज	या			प्र	द	शी		ला		
॥	द	ग*	रि*	ग*	रि*	स*	॥	रि*	स*	द	स*	द	प	॥
	व	र	दा		प्रि	य		र	ङ्ग	ना		य	की	
॥	ग	प	द	स*	द	प	॥	द	प	ग	ग	रि	स	॥
	वा		ञ्चि	त	फ	ल		दा				य	की	
॥	स	रि	ग	,	ग	,	॥	ग	रि	प	ग	रि	,	॥
	स	र	सि		जा			स	न	ज	न	नी		
॥	स	रि	स	ग	रि	स	॥							
	ज	य	ज	य	ज	य								

रागाः

मलहरी

कुन्द गौर, 21

केरेय नीरनु, 22

पदुमनाभ, 23

श्री गणनाथ, 20

मोहनम्

वरवीणा , 24

रचयिता

- श्री अण्णैय दीक्षितर्
वरवीणा, 24
श्री पुरन्दर दास
कुन्द गौर, 21
केरेय नीरनु, 22
पदुमनाभ, 23
श्री गणनाथ, 20